टीबी मुक्त भारत बनाने के लिए, टीबी के खिलाफ़ जंग में शामिल हों और इसमें हमारी मदद करें

टीबी के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य

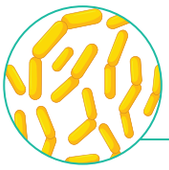

टीबी एक संक्रामक रोग है जो एक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह पूरी तरह से इलाज योग्य है।

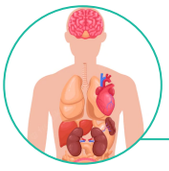

टीबी बालों और नाखूनों को छोड़कर शरीर के किसी भी हिस्से को प्रभावित कर सकता है।

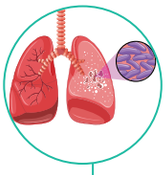

जब टीबी फेफड़ों को प्रभावित करता है, तो इसे पल्मोनरी टीबी कहा जाता है। जब टीबी शरीर के अन्य हिस्सों को प्रभावित करता है, तो इसे एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी कहा जाता है। केवल फेफड़े की टीबी संक्रामक है।

टीबी हवा के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है, जब टीबी वाला व्यक्ति असुरक्षित तरीके से बोलता है, खांसता है या छींकता है।

आपको टीबी के खिलाफ लड़ाई में क्यों शामिल होना चाहिए

- विश्व में सबसे अधिक टीबी के साथ जी रहे लोग भारत में हैं
- टीबी से ठीक हुए लोगों मे लगभग 26% भारत से हैं
- टीबी से मरने वाले सभी लोगों में से लगभग 30% भारतीय हैं
- टीबी का एक और अधिक जटिल रूप – दवा प्रतिरोधी टीबी – बढ़ रहा है। भारत में वैश्विक एमडीआर – टीबी का 27% बोझ भारत से है।

टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (2017 से 2025)

टीबी को समाप्त करने के लिए भारत सरकार की पहल राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम या एनटीईपी है, जिसका उद्देश्य टीबी मुक्त भारत का निर्माण करना और टीबी के लिए सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना है। पाँच वर्ष पहले, टीबी उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय रणनीतिक योजना (एनएसपी 2017 – 2025) के तहत वैश्विक स्तर पर टीबी का अंत करने हेतु लक्ष्यों के लिए भारत में टीबी और टीबी से होने वाली मृत्यु दर को कम करने के अनुरूप संसाधनों के साथ महत्वपूर्ण रणनीतियों का प्रस्ताव किया गया है।

एनएसपी के मुख्य लक्ष्य हैं :

टीबी की घटनाओं में

80%

की कमी (प्रति लाख 211 से 43 प्रति लाख तक)

टीबी की मृत्यु दर में

90%

की कमी (प्रति लाख 32 से घटाकर 3 प्रति लाख)

टीबी के कारण होने वाले अतिरिक्त खर्चे को

0%

तक ले कर आना

टीबी एक सामाजिक बीमारी है

- कई कारक जो टीबी से जुड़े स्टिग्मा को बढ़ावा देते हैं या परीक्षण, रोकथाम और उपचार तक पहुंच को कम करते हैं, वे टीबी को एक सामाजिक बीमारी बनने में बढ़ावा देते हैं।
- उदाहरण के लिए, शहरी मलिन बस्तियों, जनजातीय आबादी, शरणार्थियों, खनिकों और गरीबी में रहने वाले लोगों के टीबी से प्रभावित होने की संभावना अधिक होती हैं।
- टीबी वाले पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रमुख लिंग अंतर हैं – पुरुष टीबी के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं और खराब उपचार परिणाम होने की अधिक संभावना होती है जबकि महिलाओं को फेफड़ों (एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी) के अलावा अन्य अंगों में टीबी होने की अधिक संभावना होती है, जिसका निदान करना अधिक कठिन होता है।

टीबी एक ऐसी बीमारी है जिससे कई प्रकार के स्टिग्मा जुड़े हुए है। टीबी के साथ जी रहे लोग अक्सर लक्षणों से लेकर उपचार करने व् ठीक हो जाने के बाद भी व्यक्तिगत और सामाजिक बाधाओं का सामना करते हैं। टीबी से जुड़े स्टिग्मा स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचने की क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं, निदान में देरी कर सकते हैं और साथ ही उपचार के परिणामों को भी प्रभावित कर सकते हैं। स्टिग्मा, अलगाव, अकेलेपन, अवसाद या चिंता का कारण भी बन सकता है। स्टिग्मा के परिणामस्वरूप अक्सर रिश्तों का टूटना, आजीविका की हानि या टीबी के साथ जी रहे व्यक्ति को अधिक गरीबी में धकेलना हो सकता है।

टीबी के ख़िलाफ़ लड़ाई में पंचायती राज के नेतृत्व और आपके जैसे समुदाय के अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों की प्रमुख भूमिका होती है।

आप अपने समुदाय में एक प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में क्या कर सकते हैं?

1. अपने समुदाय में एक प्रमुख मुद्दे के रूप में टीबी को पहचानें और प्राथमिकता दें
2. टीबी पर नियमित बैठकें आयोजित करें और जहां भी संभव हो टीबी के बारे में बात करें
3. अपने समुदाय के लोगों को उन लोगों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करें जो टीबी का उपचार करा रहें हैं और उनके परिवारों को भी समर्थन दें
4. टीबी वाले लोगों को उचित सामाजिक सहायता योजनाओं के लिए आवेदन करने और लाभ उठाने के लिए समर्थन करें
5. अपने समुदायों में स्टिग्मा विरोधी अभियान शुरू करें और प्रोत्साहित करें
6. टीबी से संबंधित गतिविधियों में खुद को शामिल करने के लिए अपने समुदाय में अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों को प्रोत्साहित करें
7. अपने समुदाय में विश्व टीबी दिवस मनाएं
8. वीएचएसएनसी एजेंडा के हिस्से के रूप में टीबी को शामिल करें और टीबी सेवाओं तक पहुंच पर चर्चा करें
9. टीबी मुक्त समुदाय के लिए अपने काम में टीबी चैंपियंस का समर्थन करें
10. अपनी पंचायत में टीबी मुक्त पंचायत अभियान के लिए समुदाय मे शुरूआत करें, नेतृत्व करें और लोगों को इसके साथ जोड़ें

FIND Diagnosis for all | mamta bridge to health & beyond | TB CHAMPION | National Tuberculosis Elimination Programme | Unite to ACT Amplifying Community Action for TB Elimination | REACH leading the fight against TB